



रविन्द्र नाथ

अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक

**RAVINDRA NATH**

Chairman-cum-Managing Director

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

THE NATIONAL SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

(A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISE)

## हिन्दी दिवस संदेश

प्रिय एनएसआईसी सहयोगियों,

आप सभी को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

किसी भी राष्ट्र का स्वाभिमान उसकी भाषा होती है। भारत को आजाद कराने में हमारा सबसे मजबूत हथियार हमारी भाषा थी। उस समय भी भारत एक बहुभाषी देश था। स्वतंत्रता संग्राम में देश के जन-जन को उत्साहित करने के काम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी भाषा का ही सहारा लिया था। हिन्दी के महत्व को ध्यान में रखते हुए 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया।

हमारा निगम पिछले 61 वर्षों से विभिन्न स्कीमों और वर्टिकल के माध्यम से देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सहायता कर रहा है। हम अपनी स्कीमों और रोजमर्रा के कार्यों में यदि राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाएं तो राजभाषा के विकास के साथ-साथ निगम के कारोबार का विकास होगा।

इसलिए मैं, आप सभी से आग्रह करना चाहूंगा कि-

- कार्यालय का अधिक से अधिक कार्य एवं स्टेकहोल्डरों के साथ पत्राचार हिन्दी में ही करें।
- सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने हस्ताक्षर हिन्दी में करें।
- निगम में स्कीमों तथा कार्यालय के उपयोग में लाए जाने वाले अधिकांश फार्म द्विभाषी उपलब्ध हैं, उनको उपयोग में लाया जाए।
- प्रेरणादायक/अभिप्रेरक कोटेशनस को सूचना पट्ट पर अनिवार्यतः अंग्रेजी के अलावा हिन्दी में भी लगाएं।
- सभी जोनल, शाखा कार्यालय एवं तकनीकी सेवा केन्द्र इस अवसर पर हिन्दी दिवस/मास/पखवाड़ा/सप्ताह समारोह का बैनर लगाएं।
- इसके साथ ही सितम्बर मास के दौरान सभी अधीनस्थ शाखा कार्यालयों एवं तकनीकी सेवा केन्द्रों में हिन्दी संबंधी कार्यक्रम/प्रतियोगिताओं का आयोजन करें और इसमें अधिक से अधिक कर्मिकों की भागीदारी हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

मैं चाहूंगा कि हम सभी निगम के जिम्मेदार कर्मिक राजभाषा के रूप में हिन्दी के उपयोग के प्रति और अधिक प्रतिबद्धता दिखाएं। हमें अपनी बातचीत के तौर-तरीकों को पुनर्भाषित करने की आवश्यकता है ताकि राजभाषा को और अधिक सरल और कारगर बनाया जा सके। हमें, अपने कार्य व्यवहार में भी अंग्रेजी या अन्य भाषाओं से अनुवाद पर निर्भरता कम करने की जरूरत है। आज सूचना प्रौद्योगिकी हमारे पास ऐसी शक्ति है जिसके माध्यम से हम हिन्दी और भारतीय भाषाओं को उनका अपेक्षित सम्मान दिला सकते हैं।

आइये, आज हम हिन्दी की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए एकजुट होकर फिर से संकल्प लें।

हिन्दी दिवस के अवसर पर मेरी पुनःहार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितम्बर, 2016

(रविन्द्र नाथ)